राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला का आयोजन

भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज में पाँचवी राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला के साथ हिन्दी पखवाड़े (13–27 सितम्बर, 2024) का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि प्रवीण शेखर, प्रख्यात रंग निदेशक एवं समालोचक आदि गणमान्य विद्वानों द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। अपने स्वागत भाषण में केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने देश के विकास में भाषा की भूमिका को अत्यन्त महत्वपूर्ण बताया तथा वैज्ञानिक अनुसंधान के लाभ को जनसामान्य तक पहुँचाने के लिए वैज्ञानिकों से हिन्दी लेखन को अपनाने का आह्वान किया। प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने **विज्ञान प्रसार में राजभाषा हिन्दी का सामर्थ्य** विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि किसी देश के विकसित होने में उसकी मातृभाषा का प्रयोग अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। उन्होने देश में बोली जाने प्रत्येक भाषा का सम्मान करने एवं हिन्दी के समावेशी स्वरूप को विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने सम्बोधन में कहा कि स्वदेशी भाषा हिन्दी का प्रयोग करके शिक्षित एवं सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। इसी क्रम में उन्होने बताया कि शासकीय कार्यों में हिन्दी का प्रयोग अति आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन शोध अध्येता स्वाति प्रिया द्वारा किया गया तथा मुख्य अतिथि का परिचय शोध अध्येता दर्शिता रावत द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के अन्त में वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, रतन कुमार गुप्ता, तकनीकी सहायक–धर्मेन्द्र कुमार तथा कार्यालय के हरीश कुमार, अम्बूज कुमार के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोध छात्र आदि उपस्थित रहे।

राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला - पंचम
हिन्दी पखवाड़ा
विषय :- विज्ञान प्रसार में राजभाषा हिंदी का सामर्थ्य
13 सितम्बर 2024, 11:00 बजे पूर्वाह्न
प्रो0 योगेन्द्र प्रताप सिंह

राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला - पंचम
हिन्दी पखवाड़ा
विषय :- विज्ञान प्रसार में राजभाषा हिंदी का सामर्थ्य
13 सितम्बर 2024, 11:00 बजे पूर्वाह्न
प्रो0 योगेन्द्र प्रताप सिंह
प्रोफेसर, हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय
भा0वा0अ0शि0प0-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज

राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला - पंचम
हिन्दी पखवाड़ा
विषय :- विज्ञान प्रसार में राजभाषा हिंदी का सामर्थ्य
13 सितम्बर 2024, 11:00 बजे पूर्वाह्न

राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला - पंचम
हिन्दी पखवाड़ा
विषय :- विज्ञान प्रसार में राजभाषा हिंदी का सामर्थ्य
13 सितम्बर 2024, 11:00 बजे पूर्वाह्न

राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला - पंचम
हिन्दी पखवाड़ा
विषय :- विज्ञान प्रसार में राजभाषा हिंदी का सामर्थ्य
13 सितम्बर 2024, 11:00 बजे पूर्वाह्न
प्रो0 योगेन्द्र प्रताप सिंह
प्रोफेसर, हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय

राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला - पंचम
हिन्दी पखवाड़ा
विषय :- विज्ञान प्रसार में राजभाषा हिंदी का सामर्थ्य
13 सितम्बर 2024, 11:00 बजे पूर्वाह्न

राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला - पंचम
हिन्दी पखवाड़ा
विषय :- विज्ञान प्रसार में राजभाषा हिंदी का सामर्थ्य
13 सितम्बर 2024, 11:00 बजे पूर्वाह्न

हिन्दी पखवाड़ा

पंचम
ICFRE -ERC
भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद

ICFRE -ERC
वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा

ICFRE -ERC
वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा

ICFRE -ERC
अनुसन्धान एवं

हिन्दी पखवाड़ा

14 सितम्बर, 1949 को देश की संविधान सभा ने सर्वसम्मति से हिन्दी को राजभाषा के रूप में अपनाया था इसलिए प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है और इसी दौरान हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया जाता है। इसी हिन्दी पखवाड़ा के दौरान मंत्रालय में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं यथा– हिन्दी अनुवाद, हिन्दी टिप्पण/आलेखन, हिन्दी श्रुतलेखन, हिन्दी कविता पाठ या भाषण प्रतियोगिता इत्यादि।

हिन्दी अधिकारी

भा.वा.अ.शि.प.–पा.पु.के.
प्रयागराज

राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला का आयोजन

(सहजसत्ता संवाददाता)

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज में पाँचवी राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यामाला के साथ हिन्दी पखवाड़े का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि प्रवीण शेखर, प्रख्यात रंग निदेशक एवं समालोचक आदि गणमान्य विद्वानों द्वारा द्वीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। अपने स्वागत भाषण में केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने देश के विकास में भाषा की भूमिका को अत्यन्त महत्वपूर्ण बताया तथा वैज्ञानिक अनुसन्धान के लाभ को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए वैज्ञानिकों से हिन्दी लेखन को अपनाने का आह्वान किया। विज्ञान प्रसार में राजभाषा हिन्दी का सामर्थ्य विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि किसी देश के विकसित होने में उसकी मातृभाषा का प्रयोग अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने देश में बोली जाने प्रत्येक भाषा का सम्मान करने एवं हिन्दी के समावेशी स्वरुप को विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने सम्बोधन में कहा कि स्वदेशी भाषा हिन्दी का प्रयोग करके शिक्षित एवं सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि शासकीय कार्यों में हिन्दी का प्रयोग अति आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन शोध अध्येता स्वाती प्रिया द्वारा किया गया तथा मुख्य अतिथि का परिचय शोध अध्येता दर्शिता रावत द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के अन्त में वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक-डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी-डॉ. एस. डी. शुक्ला, तकनीकी अधिकारी-रतन कुमार गुप्ता, तकनीकी सहायक-धर्मेन्द्र कुमार तथा कार्यालय के हरीश कुमार, अम्बूज कुमार के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोध छात्र आदि उपस्थित रहे।

राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यान माला का आयोजन

बालजी दैनिक

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.– पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज में पाँचवी राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यामाला के साथ हिन्दी पखवाड़े का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि प्रवीण शेखर, प्रख्यात रंग निदेशक एवं समालोचक आदि गणमान्य विद्वानों द्वारा द्वीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। अपने स्वागत भाषण में केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने देश के विकास में भाषा की भूमिका को अत्यन्त महत्वपूर्ण बताया तथा वैज्ञानिक अनुसन्धान के लाभ को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए वैज्ञानिकों से हिन्दी लेखन को अपनाने का आह्वान किया। विज्ञान प्रसार में राजभाषा हिन्दी का सामर्थ्य विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि किसी देश के विकसित होने में उसकी मातृभाषा का प्रयोग अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने देश में बोली जाने प्रत्येक भाषा का सम्मान करने एवं हिन्दी के समावेशी स्वरुप को विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने सम्बोधन में कहा कि स्वदेशी भाषा हिन्दी का प्रयोग करके शिक्षित एवं सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि शासकीय कार्यों में हिन्दी का प्रयोग अति आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन शोध अध्येता स्वाती प्रिया द्वारा किया गया तथा मुख्य अतिथि का परिचय शोध अध्येता दर्शिता रावत द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के अन्त में वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक–डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी–डॉ. एस. डी. शुक्ला, तकनीकी अधिकारी–रतन कुमार गुप्ता, तकनीकी सहायक–धर्मेन्द्र कुमार तथा कार्यालय के हरीश कुमार, अम्बूज कुमार के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोध छात्र आदि उपस्थित रहे।

राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला का आयोजन

देश के विकास में भाषा की भूमिका को अत्यन्त महत्वपूर्ण है- डॉ संजय सिंह

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.- पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज में पाँचवी राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यामाला के साथ हिन्दी पखवाड़े का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि प्रवीण शेखर, प्रख्यात रंग निदेशक एवं समालोचक आदि गणमान्य विद्वानों द्वारा द्वीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। अपने स्वागत भाषण में केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने देश के विकास में भाषा की भूमिका को अत्यन्त महत्वपूर्ण बताया तथा वैज्ञानिक अनुसन्धान के लाभ को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए वैज्ञानिकों से हिन्दी लेखन को अपनाने का आह्वान किया। विज्ञान प्रसार में राजभाषा हिन्दी का सामर्थ्य विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि किसी देश के विकसित होने में उसकी मातृभाषा का प्रयोग अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने देश में बोली जाने प्रत्येक भाषा का सम्मान करने एवं हिन्दी के समावेशी स्वरुप को विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने सम्बोधन में कहा कि स्वदेशी भाषा हिन्दी का प्रयोग करके शिक्षित एवं सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि शासकीय कार्यों में हिन्दी का प्रयोग अति आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन शोध अध्येता स्वाती प्रिया द्वारा किया गया तथा मुख्य अतिथि का परिचय शोध अध्येता दर्शिता रावत द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के अन्त में वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला आयोजित

उर्ध्व नेत्र

प्रयागराज। शुक्रवार को भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज में पाँचवी राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यामाला के साथ हिन्दी पखवाड़े का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि प्रवीण शेखर, प्रख्यात रंग निदेशक एवं समालोचक आदि गणमान्य विद्वानों द्वारा द्वीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। अपने स्वागत भाषण में केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने देश के विकास में भाषा की भूमिका को अत्यन्त महत्वपूर्ण बताया तथा वैज्ञानिक अनुसन्धान के लाभ को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए वैज्ञानिकों से हिन्दी लेखन को अपनाने का आह्वान किया। विज्ञान प्रसार में राजभाषा हिन्दी का सामर्थ्य विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि किसी देश के विकसित होने में उसकी मातृभाषा का प्रयोग अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने देश में बोली जाने प्रत्येक भाषा का सम्मान करने एवं हिन्दी के समावेशी स्वरुप को विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने सम्बोधन में कहा कि स्वदेशी भाषा हिन्दी का प्रयोग करके शिक्षित एवं सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि शासकीय कार्यों में हिन्दी का प्रयोग अति आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन शोध अध्येता स्वाती प्रिया द्वारा किया गया तथा मुख्य अतिथि का परिचय शोध अध्येता दर्शिता रावत द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के अन्त में वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक-डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी-डॉ. एस. डी. शुक्ला, तकनीकी अधिकारी-रतन कुमार गुप्ता, तकनीकी सहायक-धर्मेन्द्र कुमार तथा कार्यालय के हरीश कुमार, अम्बूज कुमार के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोध छात्र आदि उपस्थित रहे।

राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला का आयोजन।

प्रयागराज। शुक्रवार को भावाअशिप पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र में पाँचवी राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यामाला के साथ हिन्दी पखवाड़े का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय

भाषा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि प्रवीण शेखर, प्रख्यात रंग निदेशक एवं समालोचक द्वारा द्वीप प्रज्जवलन ने किया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कहा कि देश के विकास में भाषा की भूमिका को अत्यन्त महत्वपूर्ण बताया तथा वैज्ञानिक अनुसन्धान के लाभ को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए वैज्ञानिकों से हिन्दी लेखन को अपनाने का आह्वान किया। विज्ञान प्रसार में राजभाषा हिन्दी का सामर्थ्य विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि किसी देश के विकसित होने में उसकी मातृभाषा का प्रयोग अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने देश में बोली जाने प्रत्येक भाषा का सम्मान करने एवं हिन्दी के समावेशी स्वरुप को विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने सम्बोधन में कहा कि स्वदेशी भाषा हिन्दी का प्रयोग करके शिक्षित एवं सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि शासकीय कार्यों में हिन्दी का प्रयोग अति आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन शोध अध्येता स्वाती प्रिया ने किया। मुख्य अतिथि का परिचय शोध अध्येता दर्शिता रावत द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के अन्त में वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक–डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी–डॉ. एस. डी. शुक्ला, तकनीकी अधिकारी–रतन कुमार गुप्ता, तकनीकी सहायक–धर्मेन्द्र कुमार तथा कार्यालय के हरीश कुमार, अम्बूज कुमार उपस्थित रहे।